चांदीके हौदेपर सवार श्रीराम-लक्ष्मणके अलौकिक छविका दर्शन

भव्यताके साथ निकला श्री महंत बाबा हाथीराम पजावाका रामदल

श्री महंत बाबा हाथी राम पजावा रामलीला कमेटी की ओर से सोमवार को शारदीय नवरात्र की महानवमी पर भव्य रामदल निकाला गया। चांदी के हौदे पर सवार भगवान श्रीराम-लक्ष्मण की अलौकिक छवि का दर्शन कर लोग धन्य हो गये। भगवान की सवारी पर लोगों ने फूल बरसाकर स्वागत किया।इस दौरान सड़क पर मौजूद भीड़ पर नियंत्रण के लिए भारी फोर्स मौजूद रही।

पजावा का भव्य राम दल सोमवार रात आठ बजे पत्थर का शिवाला खुल्दाबाद से प्रारंभ हुआ। सर्वप्रथम प्रभु श्री राम-लक्ष्मण की आरती के साथ रामदल की शुरुआत हुई। रामदल में झंडा-पताका के साथ दस कलात्मक झांकियां जिसका शीर्षक ताड़का वध, अहिल्या उद्धार, कबंध उद्धार, रावण दरबार सीता स्वयंवर, सीता हरण, बाली सुग्रीव युद्ध, केवट द्वारा गंगा पार, सीता हरण, प्रसंग पर आधारित रही। दस बैंड बाजे, हनुमान जी की सवारी, नवनिर्मित गणेश जी की सवारी, भोले शंकर जी एवं भगवान श्री राम लक्ष्मण सहित गजराज पर चांदी के हौदे पर विराजमान होकर जनमानस के सामने दर्शनार्थ के लिए चले। रामदल पत्थर शिवाला से निकलकर कोतवाली, चौक, बहादुरगंज, सुलाकी चौराहा, रामभवन, मुट्ठीगंज बड़ा चौराहा होते हुए शीशमहल, भारती भवन, कोतवाली होते हुए रानीमंडी पर पहुंचकर सम्पन्न हुआ। भगवान श्री राम-लक्ष्मण की अगुवाई कमेटी अध्यक्ष सुरेश चंद टंडन, कोषाध्यक्ष अमिताभ टंडन, वित्तमंत्री सचिन कुमार गुप्ता, लीला संयोजक राजेश मल्होत्रा, राजगद्दी संयोजन मोहन जी टंडन, राम जी केसरवानी, राजीव कृष्ण श्रीवास्तव, सागर पांडे, उज्जवल पांडेय, रोहन, रवि ओझा, आशीष गुप्ता, राकेश मल्होत्रा आदि ने की।

चकाचौंध रोशनीसे जगमगाया मुट्ठीगंज, रामदलका किया स्वागत

मुट्ठीगंज चौक क्षेत्र का दशहरे के पावन पर्व का शुभारंभ महानवमी पर्व पर किया गया। इस मौके पर मुट्ठीगंज क्षेत्र के बाल संघ रोशन रोशनी कमेटी, रामभवन रोशनी कमेटी, मुट्ठीगंज गंज रोशनी कमेटी न्यू बाल संघ रोशनी कमेटी, सहयोग व्यापार मंडल रोशनी कमेटी, गोलघर व्यापार मंडल रोशनी कमेटियों की ओर से मुट्ठीगंज क्षेत्र के दशहरे के मेले के जगमगाहट से चकाचौंध हो उठा।दूर-दूर से आए लोगों ने मेले का आनंद उठाया। और महंत हाथीराम पजावा रामलीला कमेटी के राम दल में शामिल आकर्षक रामायण के प्रसंगों पर आधारित झांकियों और राम-लक्ष्मण की सवारी रथ को देखकर मंत्रमुग्ध हो कर भगवान श्री राम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान जी के जयकारे लगाते रहे। रोशनी कमेटियों ने जगह-जगह पर राम दल के साथ आए चौकी कमेटी और रामदल कमेटी के पदाधिकारियों का स्वागत किया और झांकियों को पुरस्कृत किया।



पजावा रामदलमें भगवान राम-लक्ष्मणकी सवारी एवं झांकी।

फर्जी मुठभेड़ कांडमें प्रयागराजके तीन सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियोंकी जांच तेज

कानपुर के ३५ साल पुराने कथित फर्जी मुठभेड़ कांड में नामजद पुलिसकर्मियों के बारे में जानकारी जुटाने के लिए स्थानीय खुफिया इकाई सक्रिय हो गई है। प्रयागराज के तीन सेवानिवृत्त कांस्टेबलों के नाम सामने आने के बाद सोमवार को खुफिया टीम मांडा, सरायइनायत और सोरांव स्थित उनके घरों पर पहुंचकर जांच कर रही है। आसपास रहने वाले लोगों से पूछताछ कर उनके परिवार और मौजूदा गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटा रही है। सोरांव के गोरा गांव निवासी सेवानिवृत्त कांस्टेबल जागेश्वर, सरायइनायत के कतवारीपुर निवासी रमेश तिवारी और मांडा के नरवर चौकठा निवासी विद्याकांत का नाम इस मामले में सामने आया है। एलआईयू की अलग-अलग टीमों ने संबंधित गांवों में पहुंचकर स्थानीय स्तर पर जानकारी एकत्र की। इस दौरान उनके मौजूदा निवास, पारिवारिक स्थिति और घर में रहने वाले सदस्यों के बारे में पूछताछ की गई। संबंधित पुलिसकर्मियों के रिकॉर्ड से जुड़ी जानकारियां भी जुटाई गईं। खुफिया टीमों ने आसपास के लोगों से यह भी जानने का प्रयास किया कि संबंधित सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी कब से गांव में रह रहे हैं और वर्तमान में उनके परिवार में कौन-कौन है। करीब साढ़े तीन दशक पुराने मामले में प्रयागराज के तीन सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के नाम सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाने की यह कार्रवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कानपुर के महाराजपुर थाना क्षेत्र में वर्ष १९९१ में १२ पुलिसकर्मियों को लूट की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार दिखाया गया था। पुलिस ने दावा किया था कि आरोपितों के कब्जे से असलहे, कारतूस और बम बरामद हुए हैं। इस आधार पर दो प्राथमिकी दर्ज की गई थीं। हालांकि, बाद में इस कार्रवाई को लेकर शासन स्तर पर शिकायत की गई, जिसके बाद मामले की जांच सीबीसीआइडी को सौंप दी गई थी। अब करीब ३५ साल पुराने इस प्रकरण में नामजद पुलिसकर्मियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

युवकका मोबाइल छीनकर भागे बाइक सवार बदमाश

खुल्दाबाद थाना क्षेत्र में खुशरोबाग के सामने बाइक बदमाश एक युवक का मोबाइल छीनकर फरार हो गये। राजापुर निवासी अतुल कुमार त्रिपाठी रेलवे स्टेशन से घर लौट रहे थे। इसी दौरान बाइक सवारों ने उनका मोबाइल छीन लिया। पुलिस मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों की मदद से बदमाशों की तलाश कर रही है। अतुल कुमार त्रिपाठी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह १२ सितंबर की रात रेलवे स्टेशन गये थे। वहां से वापस घर जाते समय खुशरोबाग के सामने बाइक सवार बदमाशों ने उनका मोबाइल छीन लिया। घटना के बाद उन्होंने खुल्दाबाद थाने में शिकायत दर्ज कराई। खुल्दाबाद पुलिसका कहना है कि सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं बदमाशों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

कुरेसर गंगाघाटपर महिला एवं आरएसएस कार्यकर्ता डूबे, तलाश

पति एवं जेठको बचानेके लिए कूदी थी अनीता, नवमीपर करने गये थे स्नान



शारदीय नवरात्र की नवमी पर सोमवार सुबह नवाबगंज थाना क्षेत्र के डांडी चौकी अंतर्गत कुरेसर गंगा घाट पर बड़ा हादसा हो गया। गंगा स्नान के दौरान एक महिला और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सक्रिय कार्यकर्ता गहरे पानी में डूब गए। दोनों को बचाने के लिए घंटों तक एनडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों ने अभियान चलाया, लेकिन देर शाम तक उनका पता नहीं चल सका था। घटना की जानकारी मिलते ही घाट पर लोग जुट गए। हादसे से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी। पुलिस के मुताबिक अब मंगलवार की सुबह से सर्च आरपरेशन चलेगा।

सोमवार सुबह करीब सात बजे घाटमपुर निवासी अनीता ३२ पत्नी नितेश उर्फ राजू परिवार के साथ गंगा स्नान करने पहुंची थीं। इसी दौरान अनीता के जेठ राम सिंह अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। उन्हें बचाने के लिए राजू ने गंगा में छलांग लगा दी। वह भी गहरे पानी में फंसकर डूबने लगा। पति को संकट में देख अनीता भी उन्हें बचाने के लिए गंगा में कूद पड़ीं। इस दौरान राजू और उनके बड़े भाई राम सिंह किसी तरह अपनी जान बचाकर गंगा किनारे पहुंच गए, लेकिन अनीता गहरे पानी में डूब गईं। घाट पर मौजूद कुरेसर निवासी सुरेश केसरवानी ४० पुत्र स्वर्गीय मक्खन लाल ने महिला को बचाने के लिए गंगा में छलांग लगा दी। हालांकि, वह भी गहरे पानी में डूब गए। सुरेश कौड़िहार में हार्डवेयर की दुकान चलाते हैं। इसके साथ ही वह आरएसएस के कौड़िहार के शारीरिक प्रमुख और सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता है। हादसे की सूचना पर डीसीपी गंगानगर, एसीपी श्यामजीत, प्रमिला सिंह और नवाबगंज इंस्पेक्टर पंकज अवस्थी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। एनडीआरएफ के दो दर्जन से अधिक सदस्यों और स्थानीय गोताखोरों ने तलाश अभियान चलाया। कई घंटे की मशक्कत के बाद भी सफलता नहीं मिली। घटना की जानकारी मिलने पर फाफामऊ विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, रानीगंज विधायक आरके वर्मा, समाजवादी पार्टी के नेता दूधनाथ पटेल भी मौके पर पहुंचे। नवाबगंज थाना प्रभारी पंकज अवस्थी ने बताया कि देर शाम तक सर्च आपरेशन चलाया गया लेकिन पता नहीं चल सका। मंगलवार को एनडीआरएफ एवं गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू किया जायेगा।

अनीताके डेढ़ सालके बेटेका रो-रोकर बुरा हाल

अनीता का करीब डेढ़ वर्ष का एक बेटा है। वहीं, सुरेश केसरवानी चार भाइयों में तीसरे नंबर पर है। हादसे की खबर फैलते ही घाट पर लोगों का जमावड़ा लग गया। दोनों के परिजन अनहोनी की आशंका से परेशान रहे। गंगा घाट पर विधायक गुरु प्रसाद मौर्य के पहुंचने पर सोमवार दोपहर करीब एक बजे कुछ लोगों ने विरोध जताया। आरोप है कि कुछ लोग अपनी राजनीति चमकाने के लिए मौके पर मौजूद लोगों को भड़काने का प्रयास कर रहे थे। हालांकि, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने धैर्यपूर्वक लोगों को समझाया और उनकी बात सुनकर उन्हें संतुष्ट किया, जिसके बाद स्थिति शांत हुई।

मुकदमा वापस न लेनेपर मारपीट, तमंचा दिखाकर धमकी

पुराने मुकदमेमें चल रही है गवाही, जांचमें जुटी पुलिस

अतरसुइया थाना क्षेत्र के रानीमंडी में पुराने मुकदमे में गवाही रोकने और समझौते का दबाव बनाने के लिए मारपीट करने और तमंचा दिखाकर गोली मारने की धमकी देने का आरोप लगा है। पीड़ित हर्षवर्धन शर्मा ने तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करायी है।

हर्षवर्धन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह घर के पास स्थित पार्क में बैठे थे। तभी पुनीत जायसवाल और सचिन जायसवाल वहां पहुंचे। आरोप है कि दोनों ने गाली-गलौज करते हुए उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। शोर सुनकर आसपास के लोगों ने बीच-बचाव किया तो मामला शांत हुआ। आरोप है कि जाते समय दोनों ने धमकी दी कि उनका भाई घर आने वाला है और इस बार गोली मारकर जान ले लेंगें। आरोप है कि अगले दिन १३ अक्टूबर की शाम करीब छह बजे वह फिर पार्क में बैठे थे। तभी लवकुश जायसवाल वहां पहुंचा और पुराने मुकदमे का जिक्र करते हुए धमकाने लगा। आरोप है कि उसने कमर में लगा पिस्टल दिखाकर डराया और मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाया। उसने गोली मारने की धमकी भी दी। पीड़ित के अनुसार, आरोपितों के खिलाफ वर्ष २०२० में अतरसुइया थाने में मारपीट और हत्या के प्रयास से संबंधित मुकदमा दर्ज हुआ था। इस मामले में न्यायालय में गवाही चल रही है। आरोप है कि गवाही प्रभावित करने और मुकदमा वापस लेने के लिए उसे लगातार धमकाया जा रहा है।

पूरामुफ्तीमें युवतीसे छेड़खानी, शोर मचानेपर भागा आरोपित

पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र में शौच के लिए घर से निकली युवती के साथ छेड़छाड़ का मामला प्रकाश में आया है। आरोप है कि युवती के शोर मचाने पर आरोपित भागने लगा। घर पहुंचकर युवती ने परिजनों को घटना की जानकारी दी तो उसकी मां आरोपित को पकड़ने पहुंचीं। इस पर आरोपित उन्हें धक्का देकर फरार हो गया। पुलिस हंसराज नाम के युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच में जुट गयी है। पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र निवासी एक युवती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि १६ अक्टूबर को सुबह करीब नौ बजे उनकी बेटी शौच के लिए गई थी। आरोप है कि रास्ते में हंसराज नाम के युवक ने पीड़िता के साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। युवती ने विरोध करते हुए शोर मचाया तो आरोपित मौके से भाग निकला। युवती ने घर पहुंचकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद उसकी मां आरोपित को पकड़ने गईं तो वह उन्हें धक्का देकर भाग गया।

'कथा रामराजकी' में मारे गये कुंभकरण-मेघनाथ, लगे जयश्रीरामके जयकारे

श्री पथरचट्टी रामलीला कमेटी की ओर से 'कथा रामराजकी' के तहत प्रभाशाली मंचन

श्री पथरचट्टी रामलीला कमेटी की ओर से 'कथा रामराजकी' के तहत सोमवार को प्रभाशाली मंचन किया गया। दरबार में रावण अंगद का परिचय पूछता है, अंगद अपने पिता बालि का नाम लेकर उसे बालि की काँख की याद दिलाते हैं,रावण को संकोच हो जाता है। अंगद से अपने बल का बखान कर रावण कहता है, तुम्हारे दल में कोई वीर ऐसा नहीं है, जो मुझसे युद्ध कर सके, इस पर अंगद ने पृथ्वी पर अपना पैर जमा कर कहा, रावण., यदि तुम्हारा कोई वीर मेरे पैर को पृथ्वी से हटा देगा तो राम वापस चले जायेंगें और मैं सीता को यहीं छोड़ दूंगा। सारे वीर एक एक कर बल लगा लेते हैं, कोई तिल भर पैर को नहीं हटा पाता, रावण खुद उठता हैं तो अंगद पैर हटा लेते ह और वापस चले आते हैं। फिर बहुत प्रयास कर रावण ने अपने भाई कुम्भकर्ण को जगा कर सारा वृत्तात उसे बताता है। उसने सीता हरण की निंदा की फिर भी युद्ध के लिए तैयार हो गया। युद्धभूमि में उसने राम की सेना पर कहर ढा दिया, अंततः, राम के हाथों मारा गया। अब रावण के लिए आशा का केंद्र केवल मेघनाद था।

मेघनाद युद्धभूमि में आया, उसने लक्ष्मण से युद्ध करते सभी के लिए चिंता पैदा कर दी। अंततः उसने वह शक्ति फेंकी, जो लक्ष्मण के ह्रदय पर सीधी जा लगी, और वह संज्ञा शून्य हो कर गिर पड़े। राम की सेना में हाहाकार मच गया। हनुमान उन्हें राम के पास ले आये। लक्ष्मण के उपचार के लिये लंका से घर समेत पवनसुत वैद्य सुषेण को ले आये। वैद्य ने द्रोणाचल पर्वत पर उगी संजीवनी बूटी सूर्यास्त से पहले लाने की सलाह दी। हनुमान पूर्ण वेग से उड़ चले। रास्ते में एक तालाब के किनारे एक मुनि राम राम जपते मिला। उसने हनुमान से विश्राम कर आगे जाने की सलाह दी। तालाब में एक मकड़ी ने हनुमान का पैर मुहं में ले लिया, उसे मारा तो उसने बताया कि वह मुनि नहीं, घोर राक्षस कालनेमि है। उसे मार कर हनुमान तेजी से आगे बढ़ कर द्रोणाचल पहुंचे। औषधि न पहचान पाया तो पर्वत के उस भाग को उठा लिया और गगन पथ से उड़त अयोध्या के ऊपर पहुंचे, भरत ने कोई राक्षस समझ बाण मार दिया। हनुमान पर्वत समेत धरती पर राम-राम कहते आ गिरे। हनुमान ने भरत को सारी कथा बताई। चिंताग्रस्त भरत ने शीघ्र वहां पहुंचने के लिए कहा। उधर, हनुमान की प्रतीक्षा करते राम विलाप करने लगे, सारी बानर सेना उदास है और तभी हनुमान औषधि ले कर आ पहुंचे। वैद्य ने औषधि बना कर लक्ष्मण को दी और पूर्ण स्वस्थ हो लक्ष्मण उठ बैठे। रावण को गहरा आघात लगता है और फिर मेघनाद की पुण्यशालिनी पत्नी सुलोचना और मेघनाद का भावुक कर देने वाला संवाद होता है। मेघनाद देवी निकुम्भला के मंदिर में पूजा कर यज्ञ कर रहा होता है। लक्ष्मण उस यज्ञ को पूरा नहीं होने देते। युद्ध होता है, मेघनाद एक से एक घातक अस्त्र से आक्रमण करता है लेकिन वह सारे अस्त्र बेअसर हो जाते हैं, लक्ष्मण अंततः मेघनाद को मार कर धराशायी कर देते है। तभी धुन बजती है कि अब रावण, राम और सीता के लिए बस अगली रात ही यही रात अन्तिम, यही रात भारी के साथ सोमवार का मंचन का समापन हो जाता है।





पजावा एवं पथरचट्टी रामलीला कमेटीके भोरकी श्रृंगारकी चौकी ।

मेघनाथकी भूमिकामें दिखे सिने कलाकार सुदेश बेरी, कहा-सनातन सबसे ऊपर



श्री पथरचट्टी रामलीला कमेटी की ओर से हो रही रामलीला के मंच पर सोमवार को टीवी एवं सिने कलाकार सुदेश बेरी ने मेघनाथ की भूमिका निभायी। इससे पूर्व सिविल लाइंस स्थित एक होटल में पत्रकारों से औपचारिक वार्ता करते हुए बताया कि सनातन सबसे ऊपर है। सनातन ने विश्व को जीने का सिस्टम सिखाया है। संस्कार, त्याग और समर्पण कहीं है तो वह सनातन में ही है। उन्होंने अमिताभ बच्चन को सर्वश्रेष्ठ बताया और कहा कि १४० करोड़ जनसंख्या वाले देश भारत में चार-पांच अमिताभ बच्चन और होने चाहिए। उनका आशय कला में पारंगत होने और उसे ऊंचाइयां देने को लेकर था। अमिताभ बच्चन की जन्मस्थली, विश्व प्रसिद्ध संगम और महर्षि भरद्वाज की तपोभूमि प्रयागराज में आने पर सुखद बताया, कहा कि करीब तीन वर्ष पहले ड्रामा रामभवन की शूटिंग के लिए यहां आना हुआ था। नैनी में फूलमंडी की यादें बताईं। मंच हो या फिल्मों के सीन, इसमें अभिनय के लिए अभ्यास के संबंध में कहा कि सबकुछ निर्देशक की ओर से उपलब्ध कराई गई कहानी और संवाद पर निर्भर होता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में पूर्ण आस्था जताते हुए कहा कि इन्हें गलत ठहराने वालों को अपने आप पर विचार करना चाहिए। फिल्मों की कहानियां, किरदार और करोड़ों लोगों के मस्तिष्क पर छा जाने वाली कला के संबंध में बताया कि बहुत अंतर आया है। पहले जैसे कलाकार वर्तमान में होना बड़ा कठिन है। सुदेश बेरी ने कहा कि रामलीला और फिल्मों में काम करना जैसे रेत पर चलना और पक्की जमीन पर चलने जैसा है। प्रयागराज और संगम को उन्होंने अद्भुत बताया।

कुंभकरण-मेघनाथके वधसे रणभूमिमें गूंजा धर्म-पराक्रमका उद्घोष

रामवाटिकामें 'गाथा रामकी' में महासंग्रामका विराट मंचन

श्री कटरा रामलीला कमेटी की भव्य बारह-दिवसीय रामलीला प्रस्तुति 'गाथा राम की' के दसवें दिवस 'कुंभकर्ण से मेघनाद तक' में लंका युद्ध के अत्यन्त रोमांचक, भावनात्मक और निर्णायक प्रसंगों का प्रभावशाली मंचन किया गया। युद्धारम्भ से लेकर कुंभकर्ण वध, मेघनाद के साथ भीषण संग्राम, लक्ष्मण के शक्ति-बाण से मूर्छित होने, संजीवनी द्वारा उनके पुनर्जीवन और अन्ततः मेघनाद वध तक की घटनाओं ने प्रस्तुति को युद्ध, त्याग, साहस और विजय के उत्कर्ष तक पहुंचाया। लंका की रणभूमि में दोनों पक्षों की सेनाओं के आमने-सामने आते ही युद्ध का वातावरण सघन हो उठा। शंखनाद, युद्धघोष, प्रभावशाली ध्वनि-संयोजन और प्रकाश की तीव्रता ने महासंग्राम की विभीषिका को सजीव किया। एक ओर रावण की विशाल राक्षस सेना थी, तो दूसरी ओर श्रीराम के नेतृत्व में धर्म और न्याय के लिए संकल्पबद्ध वानर सेना। प्रत्येक युद्ध-दृश्य में पराक्रम के साथ-साथ संघर्ष की गम्भीरता और उसके परिणामों की आहट भी अनुभव की गई। कुंभकर्ण का युद्धभूमि में उतरना इस दिवस का एक प्रमुख आकर्षण रहा। अपनी विशाल काया, असाधारण शक्ति और विध्वंसक आक्रमणों के साथ कुंभकर्ण ने वानर सेना को चुनौती दी। उसके विराट व्यक्तित्व और युद्ध के दृश्यों को मंचीय संरचना, एलईडी दृश्यांकन, प्रकाश तथा ध्वनि के समन्वय से प्रभावशाली रूप प्रदान किया गया। अन्ततः श्रीराम के बाणों से कुंभकर्ण का वध हुआ। यह प्रसंग केवल एक शक्तिशाली योद्धा के पतन का दृश्य नहीं, बल्कि अहंकार और अधर्म की शक्ति के सामने धर्म-संकल्प की अडिगता का प्रतीक बनकर उभरा। इसके बाद मेघनाद के युद्धक्षेत्र में सक्रिय होने के साथ संग्राम ने और भी विकराल रूप धारण किया। मायावी युद्ध-कौशल, तीव्र आक्रमण और अस्त्र-शस्त्रों के प्रयोग ने रामसेना के सामने कठिन चुनौती प्रस्तुत की। युद्ध के इसी क्रम में लक्ष्मण पर शक्ति-बाण का प्रहार हुआ और वे मूर्छित होकर भूमि पर गिर पड़े। लक्ष्मण की स्थिति ने युद्ध के उग्र वातावरण को गहरे भावनात्मक क्षण में बदल दिया। श्रीराम की व्याकुलता, वानर सेना की चिन्ता और लक्ष्मण के जीवन की रक्षा का संकल्प इस प्रसंग के भावनात्मक केन्द्र बने। संजीवनी लाने का प्रसंग आशा, सेवा और अदम्य साहस का सशक्त प्रतीक बनकर सामने आया। हनुमान की निष्ठा, तत्परता और असम्भव को सम्भव कर देने वाले पराक्रम ने कथा को निराशा से आशा की ओर मोड़ा। लक्ष्मण के पुनर्जीवित होने के साथ युद्धभूमि में फिर से उत्साह और आत्मविश्वास का संचार हुआ तथा मेघनाद के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष की भूमिका तैयार हुई। आरती एवं पूजन कार्यक्रम में अध्यक्ष सुधीर गुप्ता 'कक्कू', महामंत्री उमेश केसरवानी, कोषाध्यक्ष अश्वनी केसरवानी, उपाध्यक्ष विनोद केसरवानी, आनंद अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, मंत्री शिव बाबू गुप्ता, महेश चंद्र गुप्ता, विपुल मित्तल, कार्यकारिणी सदस्य, दिलीप चौरसिया मीडिया प्रभारी डा. पवन प्रजापति, कमेटी प्रतिनिधि आलोक गुप्ता मौजूद रहे।



दोनोंके अंतसे रावणको पहुंचा गहरा आघात

दिवस का चरमोत्कर्ष मेघनाद वध के साथ सामने आया। लक्ष्मण और मेघनाद के बीच भीषण युद्ध ने साहस, रणनीति और संकल्प की परीक्षा ली। अन्ततः लक्ष्मण के हाथों मेघनाद का वध हुआ। इस निर्णायक प्रसंग ने लंका युद्ध की दिशा बदलने के साथ रावण की शक्ति और उसके अभिमान को गहरा आघात पहुंचाया। कुंभकर्ण और मेघनाद जैसे पराक्रमी योद्धाओं का पतन इस तथ्य को रेखांकित करता है कि शक्ति और सामर्थ्य भी धर्मविरुद्ध उद्देश्य की रक्षा नहीं कर सकते। लीला मंचन से पूर्व आयोजित आरती में मुख्य अतिथि के रूप में महापौर, न्यायमूर्ति अरूण कुमार, प्रमोद अरोरा, अवन्तिका टंडन, विनय दुबे, कटरा व्यापार मण्डल के अध्यक्ष राणा चावला, वरिष्ठ प्रसाशनिक अधिकारी आरती, रविन्द्र जायसवाल वरिष्ठ भाजपा नेता, पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण सिंह रामायण की आरती कर कार्यक्रम का आगाज किया।

नाथ एक आवा कपि भारी, तेहिं अशोक वाटिका उजाड़ी...

अल्लापुरकी रामलीलामें रावण पुत्र अच्छकुमारके वधका मंचन

श्री बाघंबरी क्षेत्र अल्लापुर की रामलीला की शुरुआत सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक शिव प्रताप, डा.राजाराम यादव पूर्व कुलपति पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं प्रोद्व रंजना बाजपेयी एवं नामित पार्षद स्वारिका भारद्वाज ने संयुक्त रूप से भगवान के पूजन के साथ की।

रामलीला के प्रसंग में हनुमान जी समुद्र पार कर अशोक वाटिका पहुंचते हैं। सीता जी की अनुमति से फल तोड़कर खाने लगते हैं तब लंका के सैनिक उन पर आक्रमण करते हैं फिर हनुमान जी उन सबको मारते हैं। कुछ बचकर रावण के दरबार में जाकर कहते हैं 'नाथ एक आवा कपि भारी, तेहिं अशोक वाटिका उजाड़ी'। तब रावण अपने पुत्र अच्छकुमार को भेजता है हनुमान जी एक मुक्के से ही उसका वध कर देते हैं तब रावण की आज्ञा पर मेघनाद आता है। हनुमान जी युद्ध में उसे भी मूर्छित करते हैं। अपने को पराजित होता देख मेघनाद नागपाश का प्रयोग कर हनुमान जी को बांध कर राज दरबार में ले जाता है। लंकावासी विशाल बंदर रूपी हनुमान जी को देखने के लिए उत्सुक हो पूरे नगर में एकत्र हो जाते हैं। विभीषण की सलाह पर रावण हनुमान जी की पूंछ में आग लगवाता है। तब हनुमान जी पूरी लंका को उसी अग्नि से जला डालते हैं सब इधर उधर व्याकुल हो भागते हैं। हनुमान जी समुद्र में आग बुझा सीताजी के पास आते हैं और कहते हैं कि मातु मोहिं दीजै कछु चीन्हा, जैसे रघुनायक मोहिं दीन्हा। तब सीताजी चूड़ामणि उतार कर देती हैं। हनुमान जी लेकर राम के पास आते हैं पूरा वृतांत सुनाते हैं। इधर समुद्र की सलाह पर नल नील नामक वानर सेतु बनाते हैं और उधर रावण से अपमानीत हो विभीषण राम की शरण में आते हैं। राम विभीषण की मित्रता होती है दोनों एक दूजे के सहयोगी बनते हैं। इस मौके पर राहुल पाण्डेय, अवनीश सिंह चंदेल, सुरेंद्रनाथ मिश्र, शशि शेखर तिवारी, आचार्य राजेश त्रिपाठी, डा रामचंद्र शुक्ल, वीरेंद्र तिवारी, मनोज मिश्रा, ओम प्रकाश मिश्र बच्चा भैया, मृदुल बाजपेई, आचार्य शिवम पांडेय, चंदन भट्ट, कक्कू पाण्डेय, अमित द्विवेदी, अनिल मालवीय, बृजेश सिंह भदौरिया, भानु सिंह पटेल, राजू केसरवानी मौजूद रहे।

रावण वधसे बजी तालियां एवं सीता अग्नि परीक्षाके मंचनसे दर्शक भावुक

सिविल लाइंसकी रामलीलामें राम-रावणके युद्धने भरा रोमांच

श्री श्री बाल रामलीला समिति सिविल लाइंस की ओर से सोमवार को रामलीला में रावण वध और सीता अग्नि परीक्षा का मंचन किया गया। जो रामकथा का सबसे प्रमुख और भावुक हिस्सा होता है। भगवान श्री राम और रावण के बीच भयंकर युद्ध का मंचन होता है, जिसमें अंततः प्रभु राम दिव्य अमोघ बाण से रावण का वध करते हैं। रावण वध होते ही पूरे रामलीला परिसर तालियों से गुजायमान हो उठा। फिर रावण के वध के बाद भगवान राम और माता सीता का पुनर्मिलन होता है। लोक-मर्यादा और समाज के संदेह को दूर करने के लिए श्री राम माता सीता को अग्नि परीक्षा देने के लिए कहते हैं। माता सीता लक्ष्मण से अग्नि प्रकट करने के लिए कहती हैं और पवित्रता की पुष्टि के लिए अग्नि में प्रवेश करती हैं। इसके बाद अग्निदेव स्वयं माता सीता को सकुशल बाहर लेकर श्री राम के समक्ष प्रस्तुत करते हैं। २० अक्तूबर को रामलीला में श्री राम राज्याभिषेक लवकुश गान एवं रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन होगा।

मेघनाथ वध एवं सती सुलोचनाके विलापका भावपूर्ण मंचन

अलोपीबाग लीला मैदानमें हुआ दारागंज रामलीलाका मंचन

श्री दारागंज रामलीला कमेटी के तत्वाधान में भगवान की सवारी श्रृंगार भवन से निकलकर, अलोपी बाग लीला ग्राउंड पहुंचती है। जहां लीला संयोजक पंडित सियाराम शास्त्री के निर्देशन में मेघनाथ और लक्ष्मण के बीच घनघोर युद्ध होता है।

लक्ष्मण द्वारा मेघनाथ का वध होते ही सती सुलोचना का लीला स्थल पर विलाप शुरू होता है, जो प्रभु श्री राम के पास पहुंचकर अपने पति का शीश मांगती हैं। उसके पश्चात प्रभु श्री राम के द्वारा शीश लेने की अनुमति दी जाती है।

कमेटी की मीडिया प्रभारी तीर्थराज पाण्डेय बच्चा भैया ने बताया कि २० अक्तूबर को श्री दारागंज रामलीला कमेटी और कटरा रामलीला कमेटी का संयुक्त रावण वध ऐतिहासिक अलोपी बाग लीला मैदान पर रात्रि आठ बजे होगा। लीला में अध्यक्ष कुल्लू यादव, महामंत्री जितेंद्र गौड़, मुन्ना आजाद, राहुल यादव, हीरालाल यादव, अरविंद पाण्डेय, पच्चू यादव, कन्हैया चौरसिया, शिबू सोनी, सुरेंद्र गौड़, संजय पाठक, पवन यादव आदि मौजूद रहे।